दसवां विश्व हिंदी सम्मेलन

10-12 सितंबर 2015, भोपाल

समानांतर सत्र

1. **विदेश नीति में हिंदी - 2 सत्र**

उप विषय:

- हिंदी के प्रसार में राजनयिकों की भूमिका
- हिंदी में कार्य करने में समस्याएं और समाधान
- विदेश नीति की चर्चा-परिचर्चा में हिंदी
- विदेशी भाषाओं में हिंदी के भाषांतरकारों तथा अनुवादकों की कमी: एक प्रमुख बाधा
- भारत में विदेश नीति पर अंग्रेजी का एकाधिकार

2. **प्रशासन में हिंदी - 2 सत्र**

उप विषय:

- प्रशासनिक हिंदी शब्दावली की विशेषताएं: आवश्यकता और उपयोगिता
- प्रशासनिक हिंदी: व्यवहारिक संदर्भ
- प्रशासनिक गतिविधियां और राजभाषा का नीति-निर्धारण
- प्रशासन में हिंदी का कार्यान्वयन: मुद्दे और चुनौतियां
- कार्यालयी हिंदी और अनुवाद की समस्या
- अन्य भाषा-भाषी प्रान्तों से आए प्रशासनिक अधिकारियों के लिए हिंदी शिक्षण की व्यवस्था

3. विज्ञान क्षेत्र में हिंदी - 2 सत्र

उप विषय:

- हिंदी में विज्ञान शब्दकोश की आवश्यकता और वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दों के गठन में आने वाली चुनौतियां
- हिंदी में विज्ञान साहित्य की वर्तमान स्थिति और संभावनाएं एवं विज्ञान में हिंदी की स्वीकार्यता में किए जा रहे प्रयास
- चिकित्सा विज्ञान में हिंदी की पढ़ाई कराने का प्रयास
- विज्ञान लोकप्रियकरण और वैज्ञानिक सोच विकसित करने में हिंदी की भूमिका
- हिंदी में विज्ञान संचार और रक्षा विज्ञान

4. संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी - 2 सत्र

उप विषय:

- संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी की स्थिति और चुनौतियां
- हिंदी के विकास में संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका
- हिंदी में शिक्षण-प्रशिक्षण और ई-अधिगम (ई-लर्निंग)
- कंप्यूटर, ई-मेल, इंटरनेट और डिजिटल इंडिया में हिंदी
- संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी: रोजगारमूलक संभावनाएं
- देवनागरी के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए इंस्क्रिप्ट

5. विधि तथा न्याय क्षेत्र में हिंदी और भारतीय भाषाएं- 1 सत्र

उप विषय:

- विधि और न्याय क्षेत्र में हिंदी तथा भारतीय भाषाओं की आवश्यकता
- विधि और न्याय में हिंदी की सीमाएं और संभावनाएं
- विधि-न्याय में अंग्रेजी बनाम हिंदी तथा भारतीय भाषाएं

6. बाल साहित्य में हिंदी - 1 सत्र

उप विषय:

- हिंदी का बाल साहित्य तथा विश्व परिपेक्ष्य
- हिंदी के बाल साहित्य में लोरी और शिशुगीत
- हिंदी के बाल साहित्य में विज्ञान
- हिंदी के बाल साहित्य में कार्टून

7. अन्य भाषा भाषी राज्यों में हिंदी - 1 सत्र

उप विषय:

- अन्य भाषा भाषी प्रदेशों में हिंदी: कल, आज और कल
- हिंदी प्रदेशों और अन्य भाषा भाषी प्रदेशों की संपर्क-सेतु: हिंदी
- हिंदी का विकास: अन्य भाषा भाषी प्रदेशों में स्थापित हिंदी संस्थाओं की भूमिका
- पूर्वोत्तर की भाषाओं पर हिंदी का प्रभाव

8. हिंदी पत्रकारिता और संचार माध्यमों में भाषा की शुद्धता - 1 सत्र

उप विषय:

- हिंदी पत्रकारिता पर अंग्रेजी का बढ़ता प्रभुत्व
- पारंपरिक पत्रकारिता और व्यावसायिक पत्रकारिता की भाषा: तुलनात्मक अध्ययन
- साहित्य और पत्रकारिता की भाषा में अंतर: चुनौतियां एवं समाधान
- हिंदी पत्रकारिता और हिंदी का भविष्य

9. गिरमिटिया देशों में हिंदी - 1 सत्र

उप विषय:

- गिरमिटिया श्रमिकों का भाषा-इतिहास
- गिरमिटिया देशों में हिंदी लेखन
- गिरमिटिया देशों की जातीय अस्मिता एवं संस्कृति की सूत्रधार: हिंदी
- रिश्ते-नाते की शब्दावली और गिरमिटिया हिंदी

10. विदेशों में हिंदी शिक्षण - समस्याएं और समाधान - 1 सत्र

उप विषय:

- विदेशों में हिंदी शिक्षण: एक मूल्यांकन
- विदेशों में हिंदी शिक्षण और पाठ्य सामग्री की एकरूपता
- विदेशों में हिंदी शिक्षण का सरकारी और गैर सरकारी प्रयास
- अरब देशों में हिंदी शिक्षण

11. विदेशियों के लिए भारत में हिंदी अध्ययन की सुविधा - 1 सत्र

उप विषय:

- विदेशियों के लिए हिंदी प्रशिक्षण देनी वाली संस्थाओं का सामंजस्य और विस्तार
- दूरस्थ प्रणाली द्वारा विदेशियों को हिंदी शिक्षण
- विदेशी छात्रों के लिए पाठ्यक्रम की एकरूपता

12. देश और विदेश में प्रकाशन: समस्याएं एवं समाधान - 1 सत्र

उप विषय:

- विदेश में रहने वाले हिंदी लेखकों को भारत में प्रकाशन हेतु उपलब्ध सुविधाएं
- हिंदी पुस्तकों का वैश्विक बाजार
- अप्रवासी लेखकों के लिए कार्यशालाओं के आयोजन की संभावनाएं

*****